पृष्ठ 1 का शेष... पाषाण से परमात्मा....

राज भोगना, पुत्री ब्राह्मी और सुन्दरी को अंकगणित और शिल्प कला सिखाना, तत्पश्चात पुत्रियों द्वारा आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत को धारण करना (जिसका मंचन आचार्य श्री की प्रेरणा से स्थापित प्रतिमा, प्रतिभा की 16 बहनों ने किया, जिन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद इस पद को अपनाया है तथा स्वयं साधना करते हुये प्रतिमा–प्रतिभा में अपनी सेवायें दे रही है) नीलाजंना का नृत्य देखकर संसार की असारसता को समझकर राजा अदिनाथ को वैराग्य उत्पन्न हुया और उन्होंने दीक्षा ग्रहण की । लोकतांत्रिक देवों का स्वर्ग से आकर उनके वैराग्य भाव की प्रशंसा करना तत्पश्चात देवों व मनुष्यों में पालकी उठाने के सवाल को लेकर गुरुवर के पास समाधान पाना आदि का मंचन किया गया । अगले दिन मुनिश्री ऋषभसागरजी प्रथम आहार को निकले । 6 माह पश्चात राजा श्रेयांश ने उन्हें प्रथम आहार कराकर अपने जीवन को धन्य किया । राजा श्रेयांश बनने का सौभाग्य गोपाल नगर निवासी श्री अनिल प्रतिभा बॉकल को प्राप्त हुआ । शाम को भगवान को केवलज्ञान की प्राप्ति हुई । अदभुत समवशरण का दृश्य दिखाया गया, जिसे देख उपस्थित श्रद्धालुगण भाव विभोर हो मानो समवशरण में ही पहुँच गये । 23 अप्रैल की भोर के समय 6.08 मिनट पर भगवान के मोक्ष का दृश्य अत्यंत ही भाव विभोर कर देने वाला था मंच पर बहुत ही सुंदर कैलाश पर्वत की रचना की गयी थी । तत्पश्चात हवनादि फिर समापन जुलूस यानि गजरथ फेरी में तपती सड़क पर अनुशासित मुनि, आर्यिका संघ व तीर्थंकर भगवान का सानिध्य एवं श्रद्धालुजनों ने हजारों इन्द्र–इन्द्राणियों के साथ सात फेरी पूर्ण की । जयकारों से सारा माहौल तपती धूप के बावजूद भी खुशनुमा बना रहा व इस तरह एक भव्य पंचकल्याणक साआनंद सम्पन्न हुआ । पंचकल्याणक में न केवल उदय नगर अपितु विजय नगर से भी कई प्रतिमाएं प्रतिष्ठित कराने के लिये यहां लायी गई ।

इस पंचकल्याणक में मुनि संघ तथा बा. ब्र. विनय भैयाजी ने जन साधारण को अनुशासन मे रखकर क्रिया करना ही नहीं अपितु उनका पूर्णतः शुद्धि और भावों के साथ कैसे करना ये सिखाया । बुन्देलखण्ड व इन्दौर में युवा मण्डलो द्वारा तन–मन–धन से पूर्ण सहयोग दिया । गोलालारीय समाज के सदस्यों ने सौंपी गयी जिम्मेदारियों का पूर्ण मनोयोग से निर्वाह किया ।महावीर जयंती के अवसर पर समाज मंदिर 64, न्यू देवास रोड़ से भव्य शोभायात्रा हर्षोल्लासपूर्वक निकाली गयी जिसमें क्षेत्र के साधर्मी बंधुओं ने बढ़ चढ़कर भागीदारी निभायी । इन्दौर नगर की मुख्य शोभायात्रा दोप. 3 बजे कांच मंदिर से प्रारंभ हुयी जिसमें नगर के अनेकों मंदिर व सोशल ग्रुप के साथ जैन समाज के विभिन्न संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । यह शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होती हुयी पुन: कांच मंदिर पर पहुंची, जहां कलशाभिषेक पश्चात कार्यक्रम संपन्न हुआ । गोलालारीय समाज ने गतवर्ष की तरह इस वर्ष भी शाकाहार के संदेशों के पोस्टर के साथ जुलूस में भाग लिया, जिसे मार्ग में खड़े हुए श्रद्धालुजनों ने काफी सराहा ।

पृष्ठ 1 का शेष... 1008 सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ....

तक आई । भव्य शोभा यात्रा ने नगर के मुख्य मार्गों पर परिभ्रमण किया । कार्यक्रम में शहर के प्रथम जैन मेयर श्री गौतमभाई शाह, श्री कौशिकभाई जैन, श्री सौभाग्यमल कटारिया व श्री जिनेन्द्र कुमार सेतुलाल जैन आदि महानुभाव शोभायात्रा में पधारे । भगवान की भव्य शोभा यात्रा पर ड्रोन हेलीकॉप्टर से पुष्पवृष्टि कर यात्रा को और भी रोचक बनाया गया । नगर के इतिहास में कार्यक्रम स्थल पर पहली बार दो–दो पांडुकशिला बनाई गई । एक पर पार्श्वनाथ भगवान जिनका जन्मकल्याणक मनाया जा रहा था उनका कलशाभिषेक किया और दूसरी पांडुकशिला पर महावीर स्वामी जिनकी जन्मजयंती का भव्य अभिषेक 5000 से भी ज्यादा श्रावकों के द्वारा किया गया । शाम को भगवान का भव्य पलना महोत्सव किया गया, जिसमे हजारो की संख्या में समाज ने धर्मलाभ लिया । पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के सौधर्म इंद्र श्री महेंद्र कुमार हुकुमचन्द जैन तथा धनपति कुबेर श्री शैलेषकुमार फूलचंद फणीश एवं समाज के कई वरिष्ठजनों ने इन्द्र इन्द्राणी के रुप में धर्मलाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शैलेषकुमार फूलचंद फणीश ने की व कार्याध्यक्ष श्री श्यामलाल भंवरलाल एवं श्री राजेन्द्र कुमार स्वरुपचन्द महामंत्री श्री अशोक कुमार फतेहलाल, सहमंत्री श्री महावीर फूलचंद, प्रदीप प्रेमचंद, सत्येंद्र कुमार प्रकाशचन्द्र आदि ने पूर्ण मनोयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया ।

महोबा में पंचकल्याणक महोत्सव साआनंद संपन्न ।

दर्शन जैन, ब्रजपुर । महेबा, पन्ना में आचार्य श्री वासुपूज्य सागरजी महाराज के सानिध्य में चल रहे पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव में 19 अप्रैल को भगवान चंदाप्रभु स्वामी का मोक्ष कल्याणक हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, जिसे देखने के लिए आसपास के कई नगरों के श्रद्धालुजन आये । पंचकल्याणक में उपस्थित समाजजनों ने महावीर जयंती की भव्य शोभायात्रा में आनंदपूर्वक भाग लिया । महावीर जयंती पर गुनोर से महेबा तक विशाल वाहन रैली निकाली गयी, पंचकल्याणक स्थल से जैन मंदिर तक महावीर भगवान का जुलूस निकाला गया । शाम को ब्र. प्रीति दीदी और गुंजा दीदी की आर्यिका दीक्षा समारोह का आयोजन किया हुआ, सभी लोगो के चेहरे पर हँसी और दुख दोनो देखने को मिला एक तरफ दीक्षा की वजह से खुशी और दूसरी तरफ हमारा सानिध्य छोड़े जाने का दुख भी था। पंचकल्याणक के अंतिम दिन गजरथ को पूरे नगर मे घूमाया गया । जिसमें प्रदेश के कई क्षेत्रों से श्रद्धालुयों ने उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित किया ।

विशेष : **● वर्ष 2015 की मेडिकल एवं इंजीनियरिंग व अन्य प्रवेश परीक्षा में उच्च रैंक प्राप्त करने वाले बच्चे अपने जानकारी फोटो सहित भेजे।**

● कक्षा 1 से 5 तक 90 % या ए2 ग्रेड ● कक्षा 6 से 8 तक 80 % या बी1 ग्रेड ● कक्षा 8 से स्नातकोत्तर या प्रोफेशनल कोर्सेस में 70 % / बी2 ग्रेड या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उक्त प्रारुप, अंक सूची की फोटोकॉपी के साथ **15 जून 16** तक निम्न पते पर भेंजे ताकि आगामी अंक में उन्हे उचित स्थान दिया जा सकें। प्राप्त अंक सूचीयों को वरीयतानुसार प्रकाशित करा जावेगा। उक्त प्रारुप की फोटो कॉपी भी कराई जा सकती है। **विशेष नोट** – अंक सूची पर पूर्णांक/प्राप्तांक /प्रतिशत/ओवर आल ग्रेड (फायनल ग्रेड) स्पष्ट रुप से लिखना अनिवार्य है। ● अंक सूची पर काट पीट या ओवरराइटिंग न करें। उक्त प्रारुप को पूर्ण रुप से स्पष्ट भरा होने पर ही प्रविष्टी मान्य होगी। ● वर्ष 2015–16 की अंकसूची ही स्वीकार होगी। स्नातक/ स्नाकोत्तर/ प्रोफेशनल कोर्सेस पूर्ण होने पर ही उसकी मार्कशीट की फोटोकॉपी भेंजे। ● अंकसूची की संपूर्ण फोटोकॉपी भेजे जिसमें ग्रेड निर्धारण का विवरण अनिवार्य रुप से होना चाहिए। **● अपूर्ण जानकारी, अंकसूची नहीं होने पर, आवेदन फार्म नहीं होने पर फार्म को निरस्त कर दिया जायेगा।**

फार्म भेजने का पता : **''गोलालारीय दर्शन''**, श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 16, महारानी रोड़, एवं 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर –3

वर्ष 2015-16 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन फार्म

वर्ष 2015–16 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी निम्न प्रारुप में अपना विवरण 15 जून 2016 तक **गोलालारीय दर्शन** कार्यालय पर भेज सकते है।

विद्यार्थी का नाम: _____ कक्षा_____

पिता/माता का नाम : _____

डाक का पूर्ण पता : _____

नगर के पिन कोड फोन सहित देवें। _____

फोन/मोबाइल : _____

नवीन फोटो पर नाम व शहर का नाम लिखकर पिन लगाकर देवें

कुल अंक: _____ **प्राप्तांक**_____ **प्रतिशत/ग्रेड** _____

विशेष उपलब्धि: _____

नोट – कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी अंकसूची प्राप्त न होने की दशा में इंटरनेट से प्राप्त अंकसूची की फोटोकॉपी भी भेज सकते है ।